मलेरिया से निपटने के लिये छत्तीसगढ़ की पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **छत्तीसगढ़** के मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को **मानसून** के दौरान में **मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिये सक्रिय कदम** उठाने के निर्देश दिये हैं

- परिणामस्वरूप, बस्तर सहित पूरे राज्य में **मलेरिया के मामलों** की संख्या में **उल्लेखनीय कमी** आई है।

मुख्य बिंदु:

- **बस्तर संभाग के घने वनों और दुर्गम इलाकों में** मलेरिया जैसी बीमारियों को रोकना हमेशा से एक **बड़ी चुनौती** रही है
- **मलेरिया उन्मूलन अभियान** के तहत, 2020 से 2023 तक मलेरिया उन्मूलन अभियान के नौ चरणों के दौरान मलेरिया सकारात्मकता (Positivity) दर 4.60% से घटकर 0.51% हो गई।
  - दसवाँ चरण 5 जुलाई, 2024 को समाप्त हुआ और इस अभियान के तहत **22 ज़िलों में 16.97 लाख कीटनाशक उपचारित मच्छरदानियाँ वितरित की गईं।**
- स्वास्थ्य विभाग की वर्ष 2024 की पहली छमाही के लिये मलेरिया मामले की रिपोर्ट में निम्नलिखित संख्या में मामले सामने आए: बस्तर में 1,660, बीजापुर में 4,441, दंतेवाड़ा में 1,640, कांकेर में 259, कोंडागाँव में 701, नारायणपुर में 1,509 और सुकमा में 1,144।
  - परिणामस्वरूप, स्वास्थ्य विभाग ने मामले की निगरानी बढ़ा दी है और सभी ज़िलों में उपचार सुविधाओं को मज़बूत किया है।

मलेरिया

- मलेरिया एक जानलेवा मच्छर जनित रक्त रोग है जो **प्लास्मोडियम परजीवी** के कारण होता है।
  - प्लास्मोडियम परजीवी की पाँच प्रजातियाँ हैं जो मनुष्यों में मलेरिया का कारण बनती हैं और इनमें से दो प्रजातियाँ- **पी. फाल्सीपेरम तथा पी. विवैक्स**- सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न करती हैं।
- मलेरिया मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के **उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में पाया जाता है।
- मलेरिया **संक्रमित मादा एनोफिलीज़ मच्छर** के काटने से फैलता है।
  - संक्रमित व्यक्ति को काटने से **मच्छर संक्रमित हो जाता** है और इससे मलेरिया के परजीवी मच्छर द्वारा काटे गए अगले व्यक्ति के रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं। ये परजीवी यकृत तक जाते हैं, परिपक्व होते हैं तथा फिर **लाल रक्त कोशिकाओं** को संक्रमित करते हैं।
- मलेरिया के लक्षणों में बुखार और फ्लू जैसे लक्षण शामिल हैं, जैसे- ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द तथा थकान आदि। उल्लेखनीय है कि **मलेरिया का इलाज संभव है एवं रोकथाम भी संभव है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-s-initiatives-to-combat-malaria